NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day Seminar on 75 Years of Economic Development: Women Entrepreneurship for Sustainability

News Paper: Punjab Kesari Date: 11-10-2022

'आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्टी का शभारंग

देश के विकास में महिला उद्यमियों की भूमिका निर्णायकः प्रो. टंकेश्वर कुमार



संगोध्टी की स्मारिका का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो.जे.पी. सिंघल व अन्य

महें इगढ़, 10 अक्तूबर (परमजीत /मोह न): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंबि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के 'आजादी के 75 वर्षः स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता' विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का सोमवार को शुभारंभ हो गया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के आर्थिक सहयोग से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (ए.बी.आर.एस.एम.) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ट्री के उद्घटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल ए.बी.आर.एस.एम. के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नॉन कोलेजिएट दुमन्स एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो. गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपित मेजर जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया।

इस मौके पर ए.बी.आर.एस.एम. के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाएं जिस तरह से हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को साबित कर रही हैं हम आत्मिनभर, सक्षम व समृद्ध भारत की कल्पना उनके योगदान के बिना कर ही नहीं सकते हैं।

प्रो. जे.पी. सिंघल ने अपने संबोधन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मल्टीटास्किंग होती हैं, धैर्यवान होती हैं, संवाद कुशल व नई सोच के विकास की पोषक होती हैं और यह गुण किसी उद्यमिता के विकास में महत्वपूर्ण हैं। आज हमें पश्चिमो दृष्टिकोण से इतर महिलाओं की महत्ता के समझते हुए उन्हें आगे लाना होगा।

महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग सतत विकास लिए आवश्यक : प्रो. सुनीता

मेजर जनरल रंजीत सिंह ने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। प्रो. रंजीत सिंह ने इस मौके पर देश की एकता, सुरक्षा व आर्थिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर परातन संस्कृति का उल्लोख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बेहद सरल तरीके से परिवार, समाज, देश व मानव कल्याण में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से हम महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग कर सतत विकास के लिए आवश्यक आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय विकास को बल प्रदान कर सकते हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डॉ. दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य व रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सन्न में आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज सिंहा, एम.डी.यू. रोहतक से प्रो. युद्धवीर सिंह, जे.एन.यू., नई दिल्ली से डॉ. नरेश कुमार, गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो. ऊषा अरोड़ा, ए.बी.आर.एस.एम., हरियाणा के संयोजक दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधियाजा प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. सुंदंद सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Bhaskar Date: 11-10-2022

कार्यक्रम । स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

देश के विकास में महिला उद्यमियों की भूमिका अहम : प्रो.टंकेश्वर

भारकर न्यूज महेंद्रगढ़

हकेवि, आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (अईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशिवत के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यमियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.जेपी सिंघल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नॉन कॉलोजिएट वुमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो.गीता भट्ठ, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपित मेजर जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला

उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभायेगा। मेजर जनरल रंजीत सिंह ने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश

कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डॉ.दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य व रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो.मनोज सिंहा, एमडीयू रोहतक से प्रो.युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ.नरेश कुमार, गुरू जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो.उषा अरोड़ा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा, प्रो.नंदिकशोर, प्रो.सुरेंद्र सिंह सिंहत भारी संख्या विभिन्न



राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए

विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. रिश्म तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया जबिक मंच का संचालन डॉ. नीरज करण सिंह ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हकेवि के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत व डॉ.मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Jagran Date: 11-10-2022

देश के विकास में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायकः प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा (हकेंवि), विश्वविद्यालय केंद्रीय महेंद्रगढ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्षः स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आइसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्टीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठों के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.जेपी सिंद्यल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायटान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे। उदघाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नान कोलिजिएट वृमेंस एजकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो.गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, फिँजिक्स विभाग में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपुर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका रूप में शामिल एबीआरएसएम के निभायेगा। प्रो.जेपी सिंद्यल ने अपने



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते ववतागण 🌑 सौ 🛚 प्रवक्ता

संबोधन में महिलाओं की भूमिका कर सकती है। उन्होंने देश की एकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मल्टीटास्किंग होती हैं, धैर्यवान होती हैं, संवाद कुशल व नई सोच के विकास की पोषक होती है और यह गुण किसी उद्यामिता के विकास में महत्वपूर्ण है। मेजर जनरल रंजीत सिंह ने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने अनेकों बार इस बात को साबित किया है कि वो विभिन्न स्तर पर पुरुषों के मुकाबले अधिक बेहतर परिणाम प्रदान

गरशा व आर्थिक विकास में महिलाओं को सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुएँ समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने अनेकों उदाहरणों के माध्यम से स्वदेशी के भाव उसके विकास में रमाबाई जैसी महिलाओं के योगदान की जानकारी दी। प्रो.सनीता श्रीवास्तव ने बेहद सरल तरीके से परिवार, समाज,

आजादी के 75 वर्ष : स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ट्री का किया गया शुभारंभ

देश व मानव कल्याण में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से हम महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग कर सतत विकास के लिए आवश्यक आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय विकास को बल प्रदान कर सकते हैं। पश्चिमी देशों के साथ तुलनात्मकता स्थापित कर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि किस तरह से भारतीय महिलाएं परिवार व देश की प्रगति में अज्ञात शक्ति के रूप कार्यरत है और हमें उन्हें उद्यमिता के विकास के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। महिला अवश्य ही भारत की जीडीपी के विकास में अहम योगदान दे सकती है।

इन लोगों ने कार्यक्रम में लिया भाग: कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डा.दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य

और रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में आर्यभटट कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो.मनोज सिंहा, एमडीयू रोहतक से प्रो.युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डा.नरेश कुमार, गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो.उषा अरोडा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक श्री दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा, प्रो.नंद किशोर, प्रो. सरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डा. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया, जबकि मंच का संचालन डा. नीरज करण सिंह

इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हर्केवि के अध्यक्ष डा. मनोज कुमार, डा. देवेंद्र सिंह राजपुत व डा.मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Aaj Samaj Date: 11-10-2022

देश के विकास में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ। हरियाणा विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का सोमवार को शुभारंभ हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को



राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. जेपी सिंह, मेजर जनरल रंजीत सिंह व अन्य।

करने में महिला उद्यामियों की भूमिका एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. निर्णायक है और अवस्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रवासों को बल मिलेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट

जेपी सिंद्यल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद मोदी के सपने को साकार करने में आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित अतिथि के रूप में शामिल महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नॉन कोलिजिएट व्रमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो. गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपित मेजर जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेंद्र कपर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभावेगा। प्रो. रंजीत सिंह ने इस मौके पर देश की एकता, सुरक्षा व आर्थिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व प्रातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला। महिला अवश्य ही भारत की जीडीपी के विकास में अहम योगदान दे सकती है।

डॉ. दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य व ने किया। इस आयोजन को सफल रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में दिल्ली आर्यभट्ट कॉलेज, विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज सिंहा, एमडीव् रोहतक से प्रो. वुद्धवीर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ. नरेश कुमार, गुरू जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो. उपा अरोड़ा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक श्री दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. रिंग तंवर ने धन्यवाद जापन दिया जबकि कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक मंच का संचालन डॉ. नीरज करण सिंह बनाने में एबीआरएसएम, हकेवि के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत व डॉ. मनीष कुमार ने

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Amar Ujala Date: 11-10-2022

'देश के विकास में महिला उद्यमियों की अहम भूमिका'

महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोध्डी का शुभारंभ हुआ।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एवीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हुई संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यमियों की जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में भूमिका निर्णायक है। इस आयोजन में होने प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के सदैव रहा है। पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



हकेंबिबि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टेकेश्वर कुमार। स्वाह

कोलिजिएट व्यमेंस एज्केशन खोर्ड की निदेशक प्रो. गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपुर भी मंच पर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति शामिल एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत के प्रो. जेपी सिंद्यल ने कहा कि भारत की विकास में महिला उद्यमिता का योगदान

आज के समय में महिलाएं जिस तरह से के सपने को साकार करने में महिला हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को साबित कर उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रही है हम आत्मनिर्भर, सक्षम व समृद्ध

करने होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय नॉन कर ही नहीं सकते हैं। इसी क्रम में प्रो. जेपी सिंदाल ने अपने संबोधन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मल्टीटारिकंग होती है, धैर्यवान होती है, संवाद कुशल व नई सोच के विकास की पोषक होती है और यह गुण किसी उद्यमिता के विकास में महत्वपूर्ण है।

> मेजर जनरल रंजीत सिंह ने भी अपने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी वर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। प्रो.रंजीत सिंह ने इस मौके पर देश की एकता, सुरक्षा व आर्थिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का



राष्ट्रीय संगोध्ठी की स्मारिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। क

डाला। प्रो.सनीता श्रीवास्तव ने बेहद सरल तरीके से परिवार, समाज, देश व मानव कल्याण में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से हम महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग कर सतत विकास के लिए आवश्यक आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय विकास को बल प्रदान कर सकते हैं। कार्यक्रम के का उद्देश्य व रूपरेखा प्रस्तृत की।

उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो.मनोज सिंहा, एमडीय रोहतक से प्रो.युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ.नरेश कुमार, गुरू रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास भारत की कल्पना उनके योगदान के बिना उल्लेख करते हुए समाज व देश के जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो.उपा अरोड़ा, एबीआरएसएम, इस्विणा के संयोजक श्री दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा, प्रो.नंद किशोर, प्रो. स्रेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव आरंभ में संयोजक डॉ.दिक्या ने आयोजन डॉ. रश्मि तंबर ने धन्यबाद जापन दिया जबकि मंच का संचालन डॉ. नीरज करण सिंह ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हकेंबिवि के अध्यक्ष डॉ. मनोज कमार, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत व डॉ. मनीप कुमार ने महत्वपूर्ण

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Punjab Kesari Date: 12-10-2022

ह.के.वि. में मनाया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस



कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव शिक्षकों व विशेषज्ञों के साथ।

छात्राओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 11 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में छात्राओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

महिंद्रा ग्रुप व रूबिकॉन (बार्कले) के रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 16 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और समाज में सम्मान और सुरक्षा का एहसास कराना है। कार्यक्रम में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्टातिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोध्ठ व ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के संदर्भ में महिला सशक्तिकरण प्रकोध्ठ की समन्वयक डा. रेनु यादव ने बताया कि महिला सशक्तिकरण प्रकोध्ठ समय-समय पर महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर स्थानीय गांवों मं जागरूकता अभियान के माध्यम से महिलाओं को जागरूक करने का कार्य करता है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि महेंद्रा व रूबिकॉन के सहयोग से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 16 अक्तूबर तक चलेगा जिसमें प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र से संबंधित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में डा. स्वाति चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Punjab Kesari Date: 12-10-2022

विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं का योगदान अहम : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित २ दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, 11 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हुआ।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस. एस.आर.) के आर्थिक सहयोग से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (ए.बी.आर.एस.एम.) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत की संस्कृति में पुरातन काल से ही महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है और अब जबिक हम अमृतकाल परिकल्पना साकार करने में जुटेहैं, ऐसे में महिलाओं का योगदान महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

उन्होंने कहा कि भारत को विकसित



मंच पर उपस्थित प्रो. जे.पी. यादव, प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, प्रो. सुनील कुमार व डा. मनोज कुमार।

राष्ट्र बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रहेगी। कार्यक्रम में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित मुख्यातिथि तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रमकी मुख्यातिथि प्रो. शांतिश्री ने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजन समिति को बधाई दी। प्रो. शांतिश्री ने द्रौपदी, सीता का उल्लेख करते हुए महिला शक्ति के महत्त्व से अवगत कराया।

उन्होंने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने महिला उद्यमिता विकास को विकसित व विकासशील देशों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम के अंत में संगोध्डी के आयोजन सचिव डा. मनीष कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन संगोध्डी की समन्वयक डा. दिव्या ने प्रस्तुत दिया। मंच का संचालन डा. अभिरंजन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर सिहत भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलत हुए।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Date: 12-10-2022 **News Paper: Dainik Jagran**

भारत की संस्कृति में पुरातन काल से ही महिलाओं की भूमिका रही है महत्त्वपूर्ण

संतद सहबोगी, महेदघटः हरियाण केंद्रीय विस्वविद्यालय (हवेदिव), महिंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजार्द के 75 वर्ष रिधरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोछी का मंगलवार को समापन हुआ। भारतीय समजिक विजन अनुरोधान परिषद् (अञ्चरीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंच (एबोआरएसएम) व हरियाणा वैद्वीय विस्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगेष्टी के समपन सत्र की संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टेकेश्वर कुमार में कह काल से ही महिलाओं की धूनिका



दो दिवसीय समोच्ये के समयन सन के दौरान मंत्र पर उपस्थित हो , जेवी, यादय, हो , टकेंशकर कुमार, प्रो., राजवीर हिंह, प्रो., सुनील कुमार व छ , मनोज कुमार 🗢 ট प्रावता।

जुलपति में जहा कि भारत को प्रोफेसर राजबीर सिंह व इंदिरा गांधी विकसित राष्ट्र बनाने में महिलाओं विश्वविद्यालय, मीरपुर के कुलपति कि भारत को संस्कृति में पुरातन को भूमिका महत्त्वपूर्ण रहेगे। प्रोफेसर जै.पी. यदन विशिष्ट कार्यक्रम में जवाहर लाल नेहरू अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महत्त्वपूर्ण वही है और अब जबके विश्वविद्यालय की कुलपति औ. मुख्य अतिथि प्रोफेसर शतिश्री ने के अवसर पर आयोजित समापन हम अमृतकाल परिकरपना सकार शांतिको चलिपुदी पेंदित मुख्य कहा कि भारतीय सम्बता स्टैब से सन्न से अपनी बात शुरू करते हुए करने में जुटे हैं, ऐसे में महिलाओं आंतिय तथा महिले दयनंद ही महिला केंद्रित सम्पटा रही है।

- हरियामा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोध्दी का हुआ समापन
- महिला उद्यमिता विकास को विकसित और प्रिकासशील देशों के लिए ववावामहत्वपूर्ण

उल्लेख करते हुए महिला शक्ति के महत्त्व से अवगत कराय। उन्होंने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में जार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजबोर सिंह ने महिला दश्यमिता विकास को जिकसित और विकास्त्रील देशों के लिए महत्वपूर्व

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर जेपी यदव ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस भारतीय पहिला शक्ति का उल्लेख विद्यार्थी, शोद्यार्थी और प्रतिभाग का योगदान महत्त्वपूर्ण हो जाता है। विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति। प्रोफेस्स शतिश्रो ने द्वीपदी, सीता का किया और बताया कि किस तरह।

से महिलाएँ खेलकृद के क्षेत्र र लेकर आत्मनिर्धर भारत के निर्माए में योगदान दे रही हैं। उन्होंने रातः विकास में महिलाओं की धूमिका प प्रकाश डाला और कहा कि शब्द है विकास में महिलाओं को भागीदर्भ सुनिश्चित की जानी चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में संगीष्टी है आयोजन सचिव दुक्टर मनी कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तृत की संगेष्ठों की समन्वयक हा, दिळ ने प्रस्तुत दिया। मंच का संचाल-हाक्टर अभिरंजन ने किया। इर अवसर पर जिल्बविद्यालय है कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार प्रैफेसर सुनीता श्रीवस्तव, प्रोफेस सरिका शर्मा, प्रोफेसर नंद किशो सहित भार्च संख्या विभिन्न विभाग के विभागध्यक्ष, निक्षक प्रभारी शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचार्च सम्मिलित हुए।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Bhaskar Date: 12-10-2022

हकेवि में महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन 'विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं का योगदान अहम'

भारकर न्यूज महेंद्रगढ

हकेबि आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत की संस्कृति में पुरातन काल से ही महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है और अब जबिक हम अमृतकाल परिकल्पना साकार करने में जुटे हैं, ऐसे में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण हो जाता है।

कार्यक्रम में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित मुख्यांतिथि तथा महिषें दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपित प्रो. राजबीर सिंह व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर के कुलपित प्रो. जे.पी. यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. शांतिश्री ने कुलपित व आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति और वेद, उपनिषदों में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता सदैव से ही महिला केंद्रित सभ्यता रही है। विशिष्ट अतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने महिला उद्यमिता विकास को विकसित व विकासशील देशों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. जे.पी. यादव ने अंतर्राष्टीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित समापन सत्र से अपनी



संगोष्ठी के समापन सत्र के दौरान मंच पर उपस्थित प्रो. जे.पी. यादव, प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, प्रो. सुनील कुमार व डॉ. मनोज कुमार

बात शुरू करते हुए भारतीय महिला शक्ति का उल्लेख किया और बताया कि किस तरह से महिलाएं खेलकूद के क्षेत्र से लेकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे रही हैं।

संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. मनीष कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. दिव्या ने प्रस्तुत दिया। मंच का संचालन डॉ. अभिरंजन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर सिहत भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलत हुए।